

धसाधाः ज

EXTRAORDINARY

भाग II--- खण्ड 3--- उपक्षण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार्ुंसे प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

मं 485]

नदी विल्तो, शति सार, सितम्बार 18, 1971/भार 27, 1893_{। ।}

No. 485] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 18, 1971/BHADRA 27, 1893

इ.स. भाग में किन्न पृष्ठ संख्या थी जाती है जिससे कि यह श्रवन संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND INTERNAL TRADE (Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 18th September 1971

S.O. 3512/15/IDRA/71.—Whereas the Central Government is of the opinion that there has been substantial fall in the volume of production in respect of cotton textile, manufactured in the industrial undertaking known as Bihar Cooperative Weavers' Spinning Mills Ltd., Mokameh (Bihar) for which, having regard to the economic conditions prevailing there is no justification.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby appoints for the purpose of making full and complet investigation into the circumstances of the case, a body of persons consisting of:—

Chairman

- (i) Shri K. K. Dhar, Managing Director, National Textile Corporation.

 Members
- (ii) Dr. U. Bhattacharya, Technical Advisor, National Textile Corporation, New Delhi.
- (iii) A representative of Government of Bihar.
- (iv) A representative of Department of Company Affairs (Company Law Board)

Member-Secretary

(v) Shri R. K. Rakshit. Director, Textile Commissioner's Office, Bombay.

[No. 9(23)/Lic. Pol./71.]

S. K. SAHGAL, Jt. Secy.

(2881)

वोद्योगिक विकास तथा शास्त्ररिक व्यापार मंत्रालय

(प्रौद्योगिक विकास विभाग)

٦ ﴿ -

नई दिल्तां, 18 तिसम्बर, 1971

का० गा० 3512/15/गाई० की० गार० ए०/71..—यतः केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि बिहार कोग्रागरेटिव वीवस स्पिनिंग मिल्स लि० मुकामेह (बिहार) नामक ग्रीचीर्गक उपक्रम में निर्मित सूत्री वस्त्रों के संयंत्र में उत्पादन के परिमाण में भारी गिराबट हुई, जिसके लिए, विद्यमान ग्राधिक स्थितियों को देखते हुए, कोई श्रीचित्य नहीं है।

श्रनः श्रव उद्योग (विकास तथा विनियमन) श्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15 द्वारा अदत अक्तियों का अयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार मामले की पिरिस्थिनियों की समग्र तथा पूर्ण जांच करने के प्रयोजनार्थ निम्नलिखित व्यक्तियों के एक निकाय की एतद्द्वारा नियुक्ति करती है:----

ग्रंध्यक्ष

(1) श्री कें व के धर, प्रबन्ध निदेशक, राष्ट्रीय वस्त्र निगम, नई दिल्ली

सदस्य

- (2) डा० पू० भट्टाचार्य, तकनीकी सलाहकार, राष्ट्रीय वस्त्र निगम
- (3) बिहार सरकार का एक प्रतिनिधि
- (4) समवाय कार्य विभाग (समवाय विधि बोर्ड) का एक प्रतिनिधि

सवस्य-सःचिव

(5) श्री आर० के० रक्षित, निदेशक, राष्ट्रीय वस्त्र निगम, बम्बई

[सं० 9(23)/लाई पील/7]]

एम० देः० सहगल, संपुक्त सचिव ।